

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)



Time Allowed: 3 Hours

Maximum Marks: 80

General Instructions

- (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 12 प्रश्न हैं। सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (ii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
- (iii) यथासंभव प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- (iv) प्रश्न 3 में किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 4 में किन्हीं चार के उत्तर लगभग 40 शब्दों में और प्रश्न 5 में किन्हीं दो के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए।
- (v) प्रश्न 7 और 10 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए। प्रश्न 8 और 11 में किन्हीं दो-दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।
- (vi) प्रश्न 12 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

1. मानव के संवाद करने, जानकारी प्राप्त करने और बाह्य दुनिया के समक्ष स्वयं को अभिनीत करने की शैली में परिवर्तन लाकर सोशल मीडिया आधुनिक युग का सर्वव्यापी पहलू बन गया है। इसने सूचना के प्रसार को अत्यंत त्वरित बना दिया है और यह सभी आयु समूहों के लिए एक आसान माध्यम बन चुका है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, लिंकडइन, यूट्यूब, आदि उपयोगकर्ता को अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने और सामाजिक तौर पर सक्रिय रहने का अवसर प्रदान करते हैं। इसका महत्त्व समय के साथ बढ़ता ही जा रहा है। यह न केवल व्यक्तिगत जीवन के लिए एक प्रभावी माध्यम है, बल्कि यह शिक्षा, व्यापार और यहाँ तक कि राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसने सूचना के प्रसार को अत्यधिक तेज़ और सस्ता बना दिया है। इसके जरिए लोग घटनाओं का सीधा प्रसारण विश्व के किसी भी कोने से देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षा के क्षेत्र में तो इसने एक क्रांति सी ला दी है। छात्रों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है। व्यावसायिक गतिविधियाँ-जैसे उत्पादों और सेवाओं का प्रचार करना, ग्राहकों से जुड़ना, विपणन अभियानों को तेज़ी से फैलाने में भी यह मदद करता है।

सोशल मीडिया जहाँ सकारात्मक भूमिका अदा कर रहा है वहीं समाज पर इसका दुष्प्रभाव भी देखने को मिल रहा है। लोग तनाव और अवसाद से प्रभावित हो रहे हैं, अकेलापन बढ़ रहा है, अनिद्रा की समस्या बढ़ रही है। इसने आत्ममुग्धता को बढ़ाया है। अपनी निजी ज़िंदगी के बारे में लिखना, अपनी आत्मीय तस्वीरें शेयर करना, चौबीसों घंटे सोशल मीडिया पर उपस्थित रहना बेचैनी को बढ़ा सकता है। आपको याद रखना चाहिए कि इस मंच पर आने वाले आपके आभासी मित्र, सच्चे मित्र या हितैषी नहीं होते। लोग आपकी उपस्थिति का लाभ उठाकर आपको धोखा-धड़ी का शिकार बना लेते हैं। 'लाइक' और 'कमेंट' की अपेक्षा हमारे मस्तिष्क की लय बिगाड़ देते हैं। वैज्ञानिक इसकी लत को खराब जीवन-शैली से होने वाली बीमारियों में सबसे ऊपर रखते हैं।

यद्यपि यह लोगों से जुड़ने, सूचना के प्रचार-प्रसार, समुदाय में अहम भूमिका निभा रहा है लेकिन इसके अति प्रयोग से बचना चाहिए।

1(i). निम्नलिखित में से सोशल मीडिया का प्रकार नहीं है :

- | | |
|-----------------|---------------|
| (A) इंस्टाग्राम | (B) व्हाट्सएप |
| (C) ट्विटर | (D) फेसबुक |

1(ii). सोशल मीडिया की लोकप्रियता का नकारात्मक प्रभाव है :

- | | |
|-----------------------------------|--------------------------------------|
| (A) सूचनाओं का त्वरित प्रसारण | (B) दुनियाभर से जुड़ने का अवसर |
| (C) आत्ममोह की संस्कृति को बढ़ावा | (D) व्यावसायिक गतिविधियों में योगदान |

1(iii). निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : सोशल मीडिया का महत्त्व समय के साथ बढ़ता ही जा रहा है।

कारण : सामाजिक संरचना के सुदृढ़ीकरण और रचनात्मक क्षमता के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

- | | |
|---|---|
| (A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं। | (B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है। |
| (C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। | (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

1(iv). सोशल मीडिया से क्या अभिप्राय है ?

1(v). सोशल मीडिया के दो सकारात्मक पहलुओं का उल्लेख कीजिए।

1(vi). सोशल मीडिया पर 'लाइक' और 'कमेंट' की अपेक्षा हमारे मस्तिष्क की लय बिगाड़ देते हैं। कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

1(vii). सोशल मीडिया की लत का खराब जीवन-शैली से होने वाली बीमारियों से क्या संबंध है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

2. सबकी पीड़ा के साथ व्यथा अपने मन की जो जोड़ सके, मुड़ सके जहाँ तक समय, उसे निर्दिष्ट दिशा में मोड़ सके।

युगपुरुष वही सारे समाज का विहित धर्मगुरु होता है, सबके मन का जो अंधकार अपने प्रकाश से धोता है।
थे जहाँ सहस्रों वर्ष पूर्व, लगता है वहीं खड़े हैं हम,
है वृथा वर्ग उन गुफावासियों से कुछ बहुत बड़े हैं हम।
अनगढ़ पत्थर से लड़ो, लड़ो किटकिटा नखों से, दाँतों से
या लड़ो ऋक्ष के रोमगुच्छ-पूरित वज्रीकृत हाथों से।
या चढ़ विमान पर नर्म मुठियों से गोलों की वृष्टि करो
आ जाय लक्ष्य में जो कोई, निष्ठुर हो सबके प्राण हरो।
ये तो साधन के भेद, किन्तु भावों में तत्त्व नया क्या है ?
क्या खुली प्रेम आँख अधिक ? भीतर कुछ बढ़ी दया क्या है ?
झर गई पूँछ, रोमान्त झरे, पशुता का झरना बाकी है,
बाहर-बाहर तन सँवर चुका, मन अभी सँवरना बाकी है।

2(i). कवि को ऐसा क्यों लगता है कि हम सहस्रों वर्ष पूर्व जहाँ थे, आज भी वहीं हैं ?

- | | |
|--|---------------------------------------|
| (A) धरती के भीतर का रहस्य जानना अभी भी बाकी है। | (B) मानव के भीतर पशुता अभी भी शेष है। |
| (C) आज भी मनुष्य अपने नाखूनों का बढ़ना नहीं रोक पाया है। | (D) आज भी मनुष्य नख-दंत अवलम्बी है। |

2(ii). 'ये तो साधन के भेद' – पंक्ति में 'साधन' से आशय है :

- | | |
|----------------------------|--------------------------------------|
| (A) जीवनयापन के साधन | (B) लक्ष्य प्राप्ति के अस्त्र-शस्त्र |
| (C) जीविकोपार्जन के माध्यम | (D) शत्रु को भयभीत करने के तरीके |

2(iii). 'बाहर-बाहर तन सँवर चुका' – से क्या अभिप्राय है ?

- | | |
|--|---|
| (A) सौंदर्य प्रसाधनों से शारीरिक सुंदरता का बढ़ जाना | (B) शरीर के अनावश्यक अंगों का झड़ जाना |
| (C) मनुष्य की शारीरिक बनावट का सुंदर हो जाना | (D) मनुष्य और पशुओं के बीच अंतर दृष्टिगत होना |

2(iv). 'भावों में तत्त्व नया क्या है' – पंक्ति में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

2(v). 'मन अभी सँवरना बाकी है' – कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

2(vi). वज्रीकृत हाथों से या नर्म मुठियों से लड़ना कवि की दृष्टि में एक समान क्यों है ?

3(i). निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

दीपावली में घर की साज-सज्जा

3(ii). निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

उस दिन जब अचानक धरती काँपने लगी

3(iii). निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने का उत्साह

4(i). पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-माना रूप क्या है ? इसके लिए समाचार लेखन की शैली का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4(ii). वे कौन-सी सुविधाएँ हैं जो मुद्रित माध्यमों के पाठकों को उपलब्ध हैं लेकिन रेडियो के श्रोताओं को नहीं ?

4(iii). पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक पत्रकारिता के महत्त्व के बढ़ने का कारण स्पष्ट कीजिए।

4(iv). कहानी के संवादों को नाट्य रूपांतरण करते समय किस तरह प्रभावशाली बनाया जा सकता है ?

4(v). विचार करने और उसे व्यक्त करने की प्रक्रिया निबंध लेखन के परंपरागत विषयों में क्यों घटित नहीं हो पाती ?

5(i). आपके विद्यालय ने 'विश्व जल दिवस' के अवसर पर 'जल संरक्षण' विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया। स्कूल-पत्रिका में प्रकाशन हेतु इस गोष्ठी का विवरण देते हुए दिव्य/दिव्या की ओर से एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

5(ii). विशेषीकृत रिपोर्टिंग बीट रिपोर्टिंग से भिन्न कैसे है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

5(iii). रेडियो नाटक और रंगमंचीय नाटकों की समानताओं और भिन्नताओं का उल्लेख कीजिए।

6. हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंज़िल भी तो है दूर नहीं –
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परो में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

6(i). बच्चों का नीड़ों से झाँकने का संभावित कारण है :

- | | |
|--|---|
| (A) रात्रि का अंधकारयुक्त भयावह वातावरण | (B) माता-पिता प्रदत्त स्नेह, सुरक्षा और भोजन |
| (C) माता-पिता का सुबह से नीड़ों से बाहर होना | (D) नीड़ और आसपास के वातावरण में पसरा सन्नाटा |

6(ii). दिन ढलते ही घर की ओर लौटती चिड़िया के परो में चंचलता है तो कवि के कदमों में :

- | | |
|--------------|---------------|
| (A) शिथिलता | (B) व्याकुलता |
| (C) गतिशीलता | (D) भावुकता |

6(iii). निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : चिड़िया शीघ्रातिशीघ्र अपनी मंज़िल तक पहुँचना चाहती है।
कारण : गहराती संध्या उसे उसके बच्चों के लिए चिंतित कर रही है।

- | | |
|---|---|
| (A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं। | (B) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है। |
| (C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। | (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। |

6(iv). काव्यांश के मूल भाव को स्पष्ट करने वाला/वाले कथन है/हैं :

- बीता हुआ समय लौटकर नहीं आता।
 - गतिशील समय के साथ चलते हुए लक्ष्य प्राप्ति के लिए संघर्ष करना चाहिए।
 - अपनों से मिलन की आशा हमारे प्रयासों में तीव्रता लाती है।
- उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

- | | |
|---------------|------------------|
| (A) केवल III | (B) I और II |
| (C) II और III | (D) I, II और III |

6(v). 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' – कथन की आवृत्ति संकेत करती है :

- | | |
|---------------------------|--------------------------------------|
| (A) समय की गतिशीलता की ओर | (B) काव्यांश के तुकान्त शब्दों की ओर |
| (C) संध्या के आगमन की ओर | (D) कवि की रचनात्मकता की ओर |

7(i). 'उषा' कविता में कवि ने ग्रामीण अंचल की सुबह का मनोरम वर्णन किया है। आप अपने घर के आसपास होने वाली रात्रि के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

7(ii). 'बादल राग' कविता में 'तिरती है समीर-सागर पर अस्थिर सुख पर दुख की छाया' – पंक्ति से क्या आशय है ? कविता में किसके सुख-दुख की बात की जा रही है और क्यों ?

7(iii). 'छोटा मेरा खेत' कविता में खेती के रूपक द्वारा कवि ने किस कर्म की प्रक्रिया को स्पष्ट किया है, वर्णन कीजिए।

8(i). 'बात सीधी थी पर' कविता से उद्धृत 'भाषा के चक्कर में ज़रा टेढ़ी फँस गई' – पंक्ति से क्या अभिप्राय है ?

8(ii). 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग के राम अवतारी पुरुष न होकर एक सामान्य मानव थे, उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

8(iii). 'बगुलों के पंख' कविता के आधार पर नभ में पाँती-बँधे उड़ते बगुलों के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

9. रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख्याल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज़ में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे।

9(i). 'रात्रि की विभीषिका' से अभिप्राय है :

- | | |
|-----------------------|---------------------------|
| (A) रात्रि का सन्नाटा | (B) रात्रि का भयावहपन |
| (C) रात्रि का अंधकार | (D) रात्रि की स्पंदनहीनता |

9(ii). रात्रि की विभीषिका को गाँव में कौन चुनौती देता था ?

- | | |
|----------------------------|----------------------|
| (A) जंगली जानवरों की आवाज़ | (B) रात्रि का सूनापन |
| (C) पहलवान के लड़के | (D) पहलवान की ढोलक |

9(iii). ढोलक की आवाज़ का गाँववालों पर पड़ने वाले प्रभाव के विषय में असत्य कथन है :

- | | |
|--|--|
| (A) नसों में बिजली दौड़ जाती थी। | (B) उनमें संजीवनी की शक्ति भरती थी। |
| (C) मृत्यु का सामना करने की शक्ति देती थी। | (D) मृत्यु को पराजित करने की ताकत देती थी। |

9(iv). गद्यांश के अनुसार गाँववालों की दीन-हीन स्थिति का प्रमुख कारण था :

- | | |
|------------------|---------------|
| (A) निर्धनता | (B) अतिवृष्टि |
| (C) संक्रामक रोग | (D) साधनहीनता |

9(v). 'बिजली दौड़ जाती थी' – का आशय है :

- | | |
|----------------------------------|--------------------------------|
| (A) वायु का प्रवाह होने लगता था | (B) रक्त का संचार होने लगता था |
| (C) बिजली का प्रवाह होने लगता था | (D) चेतना का संचार हो जाता था |

10(i). 'भक्तिन' पाठ में वर्णित किन्हीं तीन समस्याओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

10(ii). 'बाज़ार दर्शन' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि 'पर्चेजिंग पावर' से क्या अभिप्राय है ? क्या इसका उपयोग सकारात्मक कार्यों के लिए भी किया जा सकता है ? उदाहरण सहित लिखिए।

10(iii). 'शिरीष के फूल' पाठ में शिरीष के नए और पुराने फूलों द्वारा जीवन के किस सत्य को उजागर किया गया है ?

11(i). 'काले मेघा पानी दे' पाठ में मेंढक मंडली पर पानी फेंके जाने को 'पानी की बुवाई' कहा गया है। इस विषय में आपकी क्या राय है ? स्पष्ट कीजिए।

11(ii). 'भक्तिन' पाठ में महादेवी जी ने भक्तिन और अपने संबंधों की तुलना किनसे और क्यों की है ?

11(iii). 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लेखक के 'समता' संबंधी विचारों की व्याख्या कीजिए।

12(i). नई पीढ़ी व पुरानी पीढ़ी के अंतर्विरोधों को 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए। इस प्रकार के अंतर्विरोधों को किस प्रकार कम किया जा सकता है ?

12(ii). 'जूझ' कहानी के आधार पर लिखिए सारे गाँव भर में आनंदा के पिता का कोल्हू सबसे पहले क्यों चलता था ? गाँव के बाकी किसानों का इस विषय में क्या मत था ? आपकी दृष्टि में दोनों में से किसकी सोच अधिक महत्वपूर्ण और उचित है और क्यों ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

12(iii). "मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा प्राचीन भारत के ही नहीं, दुनिया के दो सबसे पुराने नियोजित शहर माने जाते हैं।" पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

- End of Question Paper -